368. राजस्थान में 'अल्फीसोल' कहाँ नहीं पायी जाती है?

(a) कोटा (b) बाराँ
(c) झालावाड़ (d) बूँदी

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (*) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।
नोटः- इस प्रश्न को आयोग ने हटा दिया है।

369. निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित है?

	मृदा के प्रकार		जिले
(a)	एरिडीसोल्स	-	अजमेर, उदयपुर
(b)	अल्फीसोल्स	-	बीकानेर, गंगानगर
(c)	इनसेप्टीसोल्स	-	भीलवाड़ा,पाली
(d)	वर्टीसोल्स	-	जोधपुर,बाड़मेर

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष)-2019

Ans. (c) राजस्थान में मुख्यतः 5 प्रकार की मिट्टियां पायी जाती है-
(i) एरिडोसोल्स - अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, चुरु, सीकर, झुंझुनु, पॉली
(ii) अल्फीसोल्स - बीकानेर, जयपुर, गंगानगर, दौसा, अलवर, भरतपुर
(iii) इनसेप्टीसोल्स- भीलवाड़ा, पाली, सिरोही, उदयपुर, चित्तौड़गढ़
(iv) वर्टीसोल्स - जोधपुर, बाड़मेर, झालावाड़, बूंदी, कोटा, बॉरा
(v) एण्टीसोल्स - पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में इस प्रकार की मिट्टी पायी जाती है।

370. निम्नलिखित में से कौनसा वृक्ष बीड़ी बनाने में काम आता है?

(a) तेंदू (b) बाँस
(c) खस (d) नीम

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (जैविक) -2019

Ans. (a) राजस्थान के वन उत्पादों में तेंदू पत्ता लघु वन उपज, आय प्राप्ति का प्रमुख स्रोत है। तेंदू के वृक्षों से प्राप्त पत्तों से बीड़ी बनाने का कार्य किया जाता है। तेंदू के वृक्ष ज्यादातर झालावाड़, बांरा, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, उदयपुर, प्रतापगढ़, व डूंगरपुर जिलों के वन क्षेत्रों में पाये जाते हैं।

371. निम्नांकित में से कौन सी कृषि पद्धति मृदा अपरदन के लिए जिम्मेदार नहीं है?

(a) बागाती कृषि (b) झूमिंग कृषि
(c) गहन कृषि (d) सीढ़ीदर कृषि

कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (d) सीढ़ीदार कृषि पहाड़ी ढलानों पर की जाने वाली परम्परागत कृषि पद्धति है। इस विधि में ढाल की तीव्रता को कम करके मृदा एवं मृदा नमी का संरक्षण किया जाता है।

372. राजस्थान में मिट्टी के ऊपर सफेद लवणीय बालू जम जाती है, उसे क्या कहते हैं?

(a) कल्लर (b) रेह
(c) सफेद मिट्टी (d) बजरी

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकनिक रेफ्रिजरेशन) 2018

Ans. (b) राजस्थान में लवणीय या खारी मृदा को स्थानीय भाषा में रेह कहा जाता है। यह मृदा जालौर, बाड़मेर एवं पाली जिले में पाई जाती है।

373. ऊसर मृदा किसे कहते हैं?

(a) खारी एवं लवणीय मृदा को
(b) सागर के किनारे की मृदा
(c) नदियों के किनाने पर स्थित मृदा
(d) पर्वतपदीय प्रदेशों पर स्थित मृदा

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (a) ''क्षारीय और लवणीय मृदा'' को ऊसर मृदा कहते हैं। इसे रेह, कल्लर, थुर आदि स्थानीय नामों से भी जाना जाता है। जिन क्षेत्रों में जल निकास की समुचित व्यवस्था नहीं रहती वहाँ जल जमाव हो जाता है इस स्थिति में सोडियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम के लवण कोशिका क्रिया द्वारा मृदा के ऊपरी परत पर जम जाते हैं। जिससे मृदा की उत्पादन क्षमता का ह्रास होता है और मृदा ऊसर मृदा में परिवर्तित हो जाती है।

374. हाड़ोती पठार में कौन-से प्रकार की मृदा पाई जाती है?

(a) लैटेराइट (b) काली
(c) रेतीली (d) जलोढ़

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (b) – हाड़ौती पठार में काली मृदा बहुतायत में पाई जाती है। काली मृदा को 'रेगुर मृदा' या 'काली कपासी मृदा' के नाम से भी जाना जाता है। इस मिट्टी में मुख्यतः कपास की खेती की जाती है। राजस्थान का दक्षिण-पूर्वी पठार ''हाड़ौती पठार'' के नाम से जाना जाता है। चम्बल, पार्वती और काली सिंध इस क्षेत्र की प्रमुख नदियाँ हैं।

375. निम्न को सुमेलित कीजिए एवं नीचे दिये गये कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिये-

	सूची -I	सूची -II
(1)	बलुई मृदा	(i) उदयपुर, डूंगरपुर
(2)	लाल मृदा	(ii) बीकानेर,जोधपुर, बाड़मेर
(3)	काली मृदा	(iii) टोंक, अलवर, धौलपुर
(4)	कछारी मृदा	(vi) कोटा, बारां, झालावाड़

	(1)	(2)	(3)	(4)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (a) सूची-I और सूची-II का सुमेल निम्नलिखित है-

	सूची-I		सूची-II
1.	बलुई मृदा	(ii)	बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर
2.	लाल मृदा	(i)	उदयपुर, डूंगरपुर
3.	काली मृदा	(iv)	कोटा, बारां, झालावाड़
4.	कछारी मृदा	(iii)	टोंक, अलवर, धौलपुर

376. काली मृदा पाई जाती है-

(a) बारां, झालावाड़, कोटा में
(b) जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर में
(c) टोंक, धौलपुर, अलवर में
(d) बीकानेर, उदयपुर, सिरोही में

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) भर्ती परीक्षा- 2020